सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 335 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 13 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

चैंपियंस ट्रॉफी तय करेगी रोहित-कोहली... 7
बिहार से दिल्ली तक पोस्टर... 3
बीजेपी सरकार में बढ़ा भ्रष्टाचार... 2

केजरीवाल का दावा- दिल्ली चुनाव में है बीजेपी-कांग्रेस का गठबंधन

भाजपा-कांग्रेस मिलकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी को हराना चाहते हैं

4PM विशेष साक्षात्कार

'हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं सिस्टम से है'

» हमारा वोट बैंक 140 करोड़ जनता है : केजरीवाल

» बाकी पार्टियों को आप की राजनीति समझ में ही नहीं आती : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में चुनावी मंच सज चुका है और चुनाव का बिगुल बज चुका है। सारे राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच सबकी नजरें हैं आम आदमी पार्टी पर, क्या आप एक बार फिर दिल्ली की सत्ता पर राज कर पाएगी और अरविंद केजरीवाल एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हो पाएंगे।

दिल्ली चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी की तैयारियों और आगे की प्लानिंग को लेकर **4PM के संपादक संजय शर्मा** ने बातचीत की आम आदमी पार्टी की पूरी कोर टीम से, जिसमें पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री आतिशी, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज शामिल रहे। चुनावी मौसम में इस पहले राउंड टेबल इंटरव्यू में कई बड़े-बड़े खुलासे हुए हैं। **प्रस्तुत हैं इस बातचीत के कुछ अंश-**

➤ आपकी पार्टी में ये सारे लोग किस तरह से रहते हैं? प्यार से रहते हैं या आपको प्रिंसिपल की तरह डांट लगाना पड़ती है?

➤ मुझे डांटने की जरूरत नहीं पड़ती है और न ही इनमें से कोई मेरी डांट को सुनता है। हम सब मिलकर एक परिवार की तरह रहते हैं। ये परिवार काफी बड़ा है। आज तो सिर्फ हम पांच लोग ही यहां एकजुट हो पाए हैं, लेकिन हमारा परिवार काफी बड़ा है। बीजेपी वालों को उम्मीद थी कि हमको जेल में डालने से हमारा परिवार बिखर जाएगा या टूट जाएगा, लेकिन इससे हम सब एक-दूसरे के और करीब आ गए।

➤ मनीष जी आप तो हमारी तरह एक पत्रकार थे, आपने कभी सोचा था कि पहले इस तरह का ताज मिलेगा, लेकिन फिर बाद में जेल भी जाना पड़ेगा?

➤ मैंने न ताज का सोचा था और न ही जेल का सोचा था। बस कुछ इनके (केजरीवाल) दिमाग में था, कुछ मेरे दिमाग में था, जब दोनों एकसाथ बैठे तो पता चला दोनों के दिमाग में देश के लिए एक जैसी सोच है, तो चलो साथ में काम करते हैं। अब जब साथ में काम करना है तो फिर चाहें ताज मिले या जेल दोनों को ही झेल लेंगे।

➤ केजरीवाल के इस्तीफा देने के बाद हर कोई सोच रहा था कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? लोगों को लग रहा था कि बाकियों की तरह यहां भी मिसेज केजरीवाल ही सीएम बनेंगी। लेकिन केजरीवाल ने एक तेज तर्रार महिला को सीएम बनाया। आतिशी सच बताइए आपने या आप के परिवार ने कभी सोचा था कि इतनी पढ़ाई-लिखाई करने के बाद आप मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच जाएंगी?

बीजेपी भगवान राम के नाम पर राजनीति करती है, हम उन्हें दिल से मानते हैं

➤ (आतिशी) नहीं, कभी नहीं सोचा था। जब बीस साल पहले मैं और मेरे दोस्त कॉलेज से निकले थी तो हम सोचते थे कि अच्छी नौकरी, अच्छी पे-चेक और अच्छा काम करेंगे। एक मिडिल क्लास फैमिली से निकला कोई व्यक्तिह्य कभी सोच भी नहीं सकता कि इतनी पढ़ाई करने के बाद नौकरी या अच्छी सैलरी को छोड़कर कभी पॉलिटिक्स में आएंगे। हां, ये जरूर सोचते थे कि कभी कोई सोशल वर्क करेंगे, लेकिन पॉलिटिक्स नहीं। 20 साल पहले तो कोई मुझे कहता था कि पॉलिटिक्स में एंट्री कैसे करते हैं तो मुझे ये भी नहीं पता था। मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी इस इंडस्ट्री से अलग है। आम आदमी पार्टी ने हम जैसे पढ़े-लिखे लोगों को जिनका कोई पॉलिटिकल बैकग्राउंड नहीं है, उन्हें राजनीति में लाया है। न हम पॉलिटिकल फैमिली से आते हैं, न हमारा कोई पॉलिटिकल बैकग्राउंड रहा है, न हम पैसे वाली फैमिली से आते हैं और न ही हमारा कोई वोट बैंक है। मुझे लगता है कि अगर हम किसी और पार्टी में होते तो जो नेता मंचों पर भाषण देते हैं, हम लोग उन भाषणों की रिसर्च कर रहे होते। लेकिन ये आम आदमी पार्टी है, ये अरविंद केजरीवाल जी हैं जिन्होंने हम जैसे लड़के-लड़कियों को पॉलिटिक्स में फ्रंट लाइन में लाकर खड़ा कर दिया। ये ही सबसे अलग चीज है आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की।

शेष पेज 4-5 पर

➤ गुजरात चुनाव के समय आप कहते हैं कि नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर होनी चाहिए। तो ये तो फिर चुनावी हिंदू वाली ही राजनीति हो गई न?

➤ क्यों नहीं होना चाहिए क्या? इसमें आपको राजनीति क्यों दिखती है? लक्ष्मी जी-गणेश जी किसके देवता हैं? धन वैभव के ही देवता माने जाते हैं न। तो मेरा ये कहना था कि अगर नोट के ऊपर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर होगी, तो उससे देश की तरक्की होगी। गणेश जी और लक्ष्मी जी की पूरे देश के ऊपर कृपा होगी। अब इसमें क्या गलत है?

आम आदमी पार्टी की नियत साफ है इसलिए हम एक हैं

बीजेपी सरकार में बढ़ा भ्रष्टाचार: अखिलेश यादव

» कन्नौज हादसे के पीड़ितों को मिले मुआवजा

» बोले- कुछ लोग गंगा स्नान पाप धोने के लिए करते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को एकबार फिर घेरा है। उन्होंने कन्नौज हादसे से लेकर प्रदेश के कई मुद्दों पर योगी सरकार पर भी हमला बोला।

अखिलेश यादव ने कहा है कि कन्नौज के रेलवे स्टेशन पर निर्माण के दौरान हादसा भाजपा के भ्रष्टाचार और लालच के कारण हुआ है। जब सारे ठेके कमीशन लेकर दिए जाएंगे और ठेकेदार भी किसी और को ठेका देकर अपना लाभ काम किए बिना लेगा तो क्वालिटी नहीं होगी।

घटना की जांच किसी संस्था के स्ट्रक्चरल इंजीनियर से करवाई जाए और आगे काम भी उन्हीं की देखरेख में हो। लखीमपुर खीरी में पुलिस की पिटाई से रामचंद्र मौर्य की मौत मामले में अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में पीडीए सरकार के साथ अपमानजनक व्यवहार हो रहा है।

पुण्य और दान के लिए जाऊंगा महाकुंभ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वे पुण्य और दान के लिए महाकुंभ गंगा स्नान के लिए जाएंगे। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि कुछ लोग गंगा स्नान पाप धोने के लिए करते हैं, लेकिन वे वहां पुण्य और दान के लिए जाते हैं। पूर्व में भी वे वहां गए हैं।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था धर्म से ज्यादा रोटी की जरूरत

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर लोगों को संबोधित किया। कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि धर्म से ज्यादा रोटी की जरूरत है। गरीब को धार्मिक बात समझाना गलत होगा।

इंडिया गठबंधन पूरी तरह से मजबूत

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में गन पॉइंट पर गड़बड़ की गई तो वे अपने कार्यकर्ताओं से कहेंगे कि परिस्थितियों को देखते हुए उस समय जो फैसला ले सकते हैं, उसे लें। इस बात को अपने मन में अभी से रखें। अखिलेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह से मजबूत है। इंडिया गठबंधन जब शुरूआती दौर में बनना शुरू हुआ था तब तय हुआ था कि क्षेत्रीय पार्टी जहां भाजपा का मुकाबला कर रही है, उसका साथ देना है। समाजवादी पार्टी आज उसी रास्ते पर चल रही है।

मिल्कीपुर में अगर पुलिस रोके तो जैसी परिस्थिति हो वैसा फैसला लेने को स्वतंत्र

मिल्कीपुर का उपचुनाव जनता सपा प्रत्याशी को जिताएगी। भाजपा सरकार ने मिल्कीपुर में जिन मंत्रियों की ड्यूटी लगाई है, उन्होंने विभागों को लूटा है। अखिलेश ने सपा कार्यकर्ताओं का आह्वान भी किया कि मिल्कीपुर में अगर पुलिस रोके तो जैसी परिस्थिति हो वैसा फैसला लेने को स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव जीतेगी। पार्टी की तैयारियां पूरी हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा बेईमानी से उपचुनाव में सीटें जीती थी। सात सीटों पर वोटों की लूट की। बात सुप्रीम कोर्ट तक गई है।

सपा में बदले जाएंगे कई जिलाध्यक्ष

समाजवादी पार्टी शीघ्र ही अपने कई जिलाध्यक्ष बदल सकती है। इस पर हाईकमान विचार कर रहा है। मकर संक्रांति के बाद कभी भी सूची आ सकती है। सपा सूत्रों के मुताबिक, 15-20 जिलाध्यक्ष बदले जा सकते हैं। जिन जिलों के अध्यक्ष बदले जाएंगे, वहां कमेटियां भी नए सिरे से बनाई जाएंगी। कुछ जिले ऐसे हैं, जहां अध्यक्ष या तो किसी विवाद में फंस गए हैं या फिर निष्क्रिय हैं। इन सभी जिलाध्यक्षों की सूची तैयार कर ली गई है। सूत्रों का कहना है कि नई कमेटियों और जिलाध्यक्षों का चयन कार्यकर्ताओं की सक्रियता के आधार पर तय होगा। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी स्थानीय स्तर पर अपने संगठन को दुरुस्त करना चाहती है, ताकि बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत किया जा सके।

15 जनवरी के बाद मायावती करेंगी रणनीति का खुलासा

» मिल्कीपुर में किसी प्रत्याशी को गुपचुप समर्थन कर सकती है बसपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 15 जनवरी के बाद बसपा मिल्कीपुर विधान सभा लिए रणनीति बनाएगी। बता दें बहुजन समाज पार्टी मिल्कीपुर के चुनावों में प्रत्याशी नहीं उतार रही है लेकिन पार्टी किसे समर्थन देगी इस बारे में फैसला हो सकता है। बसपा मिल्कीपुर चुनाव को लेकर अपनी रणनीति तय करेगी। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के बाद मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर रणनीति तय करेंगी।

बता दें, बसपा मिल्कीपुर उपचुनाव नहीं लड़ रही है। ऐसे में पार्टी समर्थक किस दल को वोट करें, इस बारे में बसपा सुप्रीमो संकेत दे सकती हैं। इस बाबत उन्होंने 16 जनवरी को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है जिसमें सदस्यता अभियान, संगठन के विस्तार, कैडर कैंप और पार्टी के साथ मुस्लिमों, ब्राह्मणों एवं अन्य वर्गों को जोड़ने के अभियान की समीक्षा होगी।

जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनेगा बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन

पार्टी बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाएगा। देशभर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसकी तैयारी कर ली है। जिलों में विचार गोष्ठियां होंगी। बसपा सुप्रीमो अपने जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों के नाम पर संदेश भी जारी करेंगी जिसमें दिल्ली चुनाव को लेकर भी अहम घोषणाएं की जा सकती हैं। दिल्ली में बसपा अकेले दम पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। बसपा सुप्रीमो ने दिल्ली चुनाव की कमान अपने भतीजे एवं पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को सौंप रखी है।

कांग्रेसियों ने मनाया प्रियंका गांधी का जन्मदिन

» कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। वायनाड सांसद व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर जिले में जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कांग्रेसियों ने केक काटकर उनके दीर्घायु की कामना की। वहीं, गरीबों व जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। जिला मुख्यालय गौरीगंज स्थित केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर दीर्घायु की कामना की।

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को नववर्ष का कैलेंडर भेंट करते हुए कहा कि प्रियंका गांधी देश के साथ अमेठी की जनता की समस्याओं को लेकर हमेशा गंभीर रहती हैं। वहीं, अमेठी में कार्यवाहक कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवमणि तिवारी की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में केक काटा गया। संग्रामपुर के सोनारी कनू गांव में कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष हीरामणि कनौजिया की मौजूदगी में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष योगेंद्र मिश्र, रमाकांती, प्रवक्ता अनिल सिंह, डॉ. अरविंद चतुर्वेदी, रामबरन कश्यप, शत्रुघ्न सिंह, शकील इदरीशी, शुभम सिंह, दीपक आर्य आदि मौजूद रहे। फुरसतगंज में प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर नहर कोठी चौराहे के निजी पब्लिक स्कूल परिसर में केक काटकर और लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई द्य इस मौके पर पवन शुक्ला, राजू गूजर, शशि जायसवाल, इंद्र प्रसाद माली आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश मुख्यालय में कांग्रेस महासचिव/प्रभारी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अविनाश चन्द्र पांडे व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बच्चियों व महिलाओं के साथ केक काटा और उनमें सिलाई मशीन का वितरण किया।

भाजपा को वोट देने का खामियाजा भुगत रहे इंदौरवासी: जीतू पटवारी

» बोले- लोगों ने नौ सीटें बीजेपी की झोली में डाली थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर के पार्षद विवाद मामले में कहा है कि इंदौर की सफाई के कारण हमें गर्व महसूस करता है, लेकिन भाजपा के गुंडे शहर की संस्कृति को तार-तार कर रहे है। पहले पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के परिवार पर हमला हुआ और अब भाजपा के पार्षद के परिजनों को भाजपा के ही गुंडों का आंतक झेलना पड़ा।

जनता कांग्रेस से भी नाराज है कि इस मुद्दे पर अब तक कुछ क्यों नहीं बोला जा रहा है, लेकिन शहरवासियों को भी सोचना चाहिए कि उन्होंने भाजपा को 9 सीटें जीता कर दी। बदले में भाजपा ने क्या दिया? शहरवासी अब अपने भरपूर जनमत का खामियाजा भुगत रहे है। वोट देते समय उन्हें सोचना चाहिए था कि तराजू का पलड़ा बराबर रखना चाहिए। विपक्ष जनता की आवाज हमेशा से रहा है, लेकिन उसे मजबूत करने की जिम्मेदारी जनता की भी है। पटवारी ने कहा कि 27 जनवरी को बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में कांग्रेस का बड़ा आयोजन होगा। इसमें कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे।

बिहार से दिल्ली तक पोस्टरवार

» आप ने भाजपा को वीडियो में घेरा » जदयू के नारे में राजद पर निशाना

» कांग्रेस ने भी संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। इस वर्ष दिल्ली व बिहार में चुनाव होने हैं। जहां दिल्ली में फरवरी में वोट डाले जाएंगे। जबकि बिहार में अभी साल के आखिर में अर्थात नवंबर में चुनाव हो सकते हैं। पर जहां दिल्ली में आप, कांग्रेस व भाजपा पोस्टर वार जारी हो गया हैं वहीं बिहार में पोस्टरों के जरिये सत्ता पक्ष व विपक्ष वार-पलटवार अभी से जारी हो गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे -वैसे राजनीतिक दलों में पोस्टर वॉर तेज होता जा रहा है। अब आम आदमी पार्टी ने अपने नए पोस्टर में भाजपा, कांग्रेस और एआईएमआईएम पर हमला बोला है। दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा हो गई है।

दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक साथ पांच फरवरी को मतदान होंगे। चुनावी पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। नेता एक दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। चुनाव की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है, वैसे वैसे राजनीतिक दलों में पोस्टर वॉर तेज होता जा रहा है। अब आम आदमी पार्टी ने अपने नए पोस्टर में भाजपा, कांग्रेस और एआईएमआईएम पर हमला बोला है। आप ने पोस्टर में इन सभी पार्टियों को एक साथ दिखाया है। आप ने पोस्टर में अमित शाह, रमेश बिधूड़ी, प्रवेश वर्मा, असदुद्दीन ओवैसी, संदीप दीक्षित, अजय माकन को एक साथ दिखाया है। वहीं, दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल को ईमानदार कहा है।

सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रहे केजरीवाल : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि वे सत्ता खोने के डर से मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। केजरीवाल सत्ता बचाने के लिए दिल्ली के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। सचदेवा ने केजरीवाल के हालिया बयानों और पोस्टर को उनकी हताशा व चरित्र का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद इस्तीफा नहीं दिया। इसके अलावा 21 और 22 सितंबर को महिला विरोधी बयान दिए। उन्होंने दिसंबर में बांग्लादेशी व रोहिंग्या वोटरों को जोड़ने के लिए दबाव डाला और एक जनवरी को झूठी खबर फैलाकर दिल्ली का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

अभद्र भाषा बोलने वाले को भाजपा बना रही सीएम चेहरा : आतिशी

वहीं, विधानसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के बीच मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर भी सियासी खींचतान शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में दावा किया कि भाजपा अभद्र भाषा बोलने वाले प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री चेहरा बनाने जा रही है। भाजपा की सीईसी की बैठक में तय हुआ है कि रमेश बिधू?ी को मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाएगा।आतिशी ने कहा कि भाजपा से लोग पूछ रहे हैं कि उनका सीएम चेहरा कौन हैं, जबकि आप ने सीएम चेहरे को घोषित कर दिया है। रमेश बिधूड़ी ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। बिधूड़ी अपनी ही पार्टी के पूर्वांचली नेताओं से गलत व्यवहार करते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। यही नहीं बिधूड़ी ने मेरे व परिवार के लिए भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब लोगों के सामने दो विकल्प हैं। एक तरफ अरविंद केजरीवाल हैं जो आईआईटी खरगपुर से पढ़े हैं। वे आईआरएस ऑफिसर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में 24 घंटे बिजली, घर-घर पानी पहुंचाने, सरकारी स्कूलों को बेहतर करने, मुफ्त इलाज, बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा दी है। दूसरी तरफ, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करने वाले रमेश बिधूड़ी हैं।

दिल्ली में कांग्रेस 17, भाजपा 12 और आप एक पर नहीं खोल पाई थी खाता

राजधानी में तीन-तीन बार सरकार बनाने वाली कांग्रेस व आम आदमी पार्टी और एक बार सत्ता में आ चुकी भाजपा के लिए 70 विधानसभा सीटों में से 29 सीटें चुनौती बनी हुई हैं। कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी इन सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराने में नाकाम रही हैं। लिहाजा वह इन सीटों पर जीत नहीं सकी है। मगर इन सीटों पर इस बार जीत हासिल करने के लिए तीनों पार्टी कमर कसी हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने इन सीटों में से कुछ सीटों पर बड़े नेताओं को टिकट दिया है और कई सीटों पर उन्होंने समीकरण ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार तय किए हैं। इस तरह वह इन सीटों में कई सीटों पर अपना खाता खोल सकती है। तीनों प्रमुख पार्टियों के लिए चुनौती बनी 29 सीटों में कांग्रेस सबसे पीछे है। वह 17 सीटों पर खाता नहीं खोल पाई है, जबकि भाजपा 12 सीटों पर जीत हासिल करने में नाकाम रही है और पिछले दो चुनाव में कांग्रेस व भाजपा का सूपड़ा साफ करने वाली आम आदमी पार्टी एक सीट पर जीत नहीं सकी है। इन सीटों में शामिल मटिया महल सीट ऐसी है जिस पर कांग्रेस और भाजपा दोनों अब तक जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। इस सीट पर आम आदमी पार्टी दो बार जीत चुकी है। इस क्षेत्र से छह बार विधायक रहे शोएब इकबाल एक बार आम आदमी पार्टी और पांच बार अन्य पार्टियों से जीतने में कामयाब हुए हैं। वह एक बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के दौरान हार गए थे। इसी तरह बदरपुर सीट पर कई बार जीतने वाले रामवीर सिंह बिधूड़ी व राम सिंह नेताजी को कांग्रेस के टिकट पर जीत नसीब नहीं हुई। वह अन्य पार्टियों के टिकट व निर्दलीय के उम्मीदवार के तौर पर जीतने में कामयाब रहे।

कांग्रेस की चुनौतीपूर्ण सीटें

दिल्ली में तीन बार सरकार बना चुकी कांग्रेस बुराड़ी, रिठाला, मुंडका, किराड़ी, रोहिणी, शालीमार बाग, मटिया महल, मोती नगर, हरी नगर, जनकपुरी, बिजवासन, संगम विहार, ग्रेटर कैलाश, बदरपुर, कृष्णा नगर, गोकलपुर और करावल नगर जैसी 17 सीटों पर जीत दर्ज नहीं कर पाई है। ये सीटें कांग्रेस के पुनरुत्थान की राह में बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

भाजपा की मुश्किलें

दिल्ली में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा मजबूत है और पार्टी केंद्र में सत्तारूढ़ है। इसके बावजूद भाजपा अब भी सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, मटिया महल, बल्लीमारान, विकासपुरी, नई दिल्ली, जंगपुरा, देवली, अंबेडकर नगर, ओखला, कोंडली और सीलमपुर जैसी 12 सीटों पर जीत दर्ज करने में असफल रही है। खासतौर पर नई दिल्ली और जंगपुरा जैसी सीटें भाजपा के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

भाजपा के गढ़ विश्वास नगर की आप को चुनौती

पिछले दो चुनावों में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में भारी बहुमत हासिल किया है। लेकिन विश्वास नगर सीट पर पार्टी का खाता अब तक नहीं खुला है। इस सीट पर भाजपा का मजबूत गढ़ है, जो आप के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

इस बार तेजस्वी सरकार, लालू यादव का नीतीश सरकार पर वार

एक पोस्ट साझा करते हुए लालू ने एक्स पर लिखा कि सही का चुनाव करें, अबकी बार बदलाव करें! उन्होंने आगे लिखा कि एक पथ पर भ्रष्टाचार का गिरने वाला पुल है। बेरोज़गारी है, गरीबी है, पलायन है, अपराध है। कराह रहा अपना बिहार है। बिहार में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। ऐसे में बिहार की सियासत तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भी अटकलों का दौर जारी है। इन सबके बीच राजद सुप्रीमों लालू यादव ने नीतीश कुमार पर पोस्टर वार किया है। एक पोस्ट साझा करते हुए लालू ने एक्स पर लिखा कि सही का चुनाव करें, अबकी बार बदलाव करें! उन्होंने आगे लिखा कि एक पथ पर भ्रष्टाचार का गिरने वाला पुल है। बेरोज़गारी है, गरीबी है, पलायन है, अपराध है। कराह रहा अपना बिहार है। लालू ने दावा किया कि दूसरे पथ पर युवाओं के लिए नियुक्ति व रोजगार है, माई-बहिन का मान है, विधवाओं का सम्मान है, बुजुर्गों व दिव्यांगों का सहारा है, 200 यूनिट मुफ्त बिजली से बिल की बचत से रोशन होता घर है, नया बिहार का संकल्प है। राइट टर्न लेगा बिहार, इस बार तेजस्वी सरकार। इससे पहले नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के विपक्षी दल इंडिया गुट में शामिल होने के निमंत्रण को खारिज कर दिया था।लालू यादव के निमंत्रण पर बोलते हुए, जद (यू) प्रमुख ने कहा, हम दो बार गलती से पटरी से उतर गए थे। अब, हम हमेशा (एनडीए में) साथ रहेंगे और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। लोकसभा में जेडीयू के 12 सांसद हैं, जो एनडीए सरकार के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि संसद के निचले सदन में बीजेपी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। कुमार की यह प्रतिक्रिया लालू प्रसाद यादव के एक साक्षात्कार में दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जेडीयू प्रमुख के लिए इंडिया ब्लॉक के दरवाजे खुले हैं। राजद प्रमुख ने ये कहकर सियासी हलचल बढ़ा दिया था कि नीतीश कुमार के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं। उन्हें अपने दरवाजे भी खोल लेने चाहिए। इससे दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी।नीतीश कुमार ने 2005 से पहले राज्य में लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली सरकार की भी आलोचना की और कहा कि 2005 में शुरू हुए उनके कार्यकाल से पहले, बिहार की स्थिति बहुत खराब थी।सही का चुनाव करें,अबकी बार बदलाव करें! एक पथ पर भ्रष्टाचार का गिरने वाला पुल है। बेरोज़गारी है, गरीबी है, पलायन है, अपराध है। कराह रहा अपना बिहार है।दूसरे पथ पर युवाओं के लिए नियुक्ति व रोजगार है, माई-बहिन का मान है, विधवाओं का सम्मान है, बुजुर्गों व दिव्यांगों का सहारा है,।

‘आप की राजनीति शिक्षा, बिजली-पानी और स्वास्थ्य वाली है’

सत्येंद्र जी आपकी एक तस्वीर ने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया था, कई लोगों की आंखों में तो मैंने आंसू भी देखे थे। क्या वाकई में जेल में इतनी यातना दी जाती है? 38 किलो वजन कम होने का कारण क्या वो मानसिक टॉर्चर या फिजिकल टॉर्चर ही था?

आपने जो प्रिंसिपल वाली बात कही थी सबको एक रखने के लिए, तो मैं आपको बता दूं कि आप पांच ही नहीं बल्कि दस लोगों का इंटरव्यू कर लो और सबसे एक ही जैसा लगभग सवाल पूछ लो, आपको सबका जवाब एक ही मिलेगा। मैं आपको बताऊं कि पार्टी में आने से पहले मैं एक ऑर्किटेक्ट था। जब मैंने अपना प्रोफेशन छोड़ा, पॉलिटिक्स में आया, तो मैं पांच दिल्ली के नामी सीएस के पास गया और पूछा कि अरविंद केजरीवाल कैसा आदमी है? पैसे तो नहीं लेते हैं, तो सबने ये ही बोला कि नहीं, डिपार्टमेंट में अकेला आदमी है जो नहीं लेता। तब मैंने अपनी जिंदगी उनके पीछे लगाई थी। तो जब प्रिंसिपल आपके साथ हैं, फिर तो सब कुछ आपके साथ ठीक होगा ही। हम प्रिंसिपली ही साथ में जुड़े हुए थे। जब हम लोग जेल में थे तब तो हमारा कोई संपर्क आपस में नहीं था, लेकिन फिर भी ये कहा जाता था कि जो अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया बोल रहे हैं, वो ही तुम भी बोल रहे हो। जबकि हम तीनों ही अलग-अलग जेल में थे। क्योंकि हमारी विचारधारा एक है और हमारा मकसद सिर्फ एक है देश के लिए कुछ काम करना। मैंने जिंदगी में कभी भी पॉलिटिक्स में आने का नहीं सोचा था, मंत्री बनने का नहीं सोचा था। केजरीवाल ने बीच में टोकते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन को पहली बार टिकट देने के लिए मनाने के लिए चार बार हमें इनके घर जाना पड़ा। जैन आगे कहते हैं कि जब मुझे टिकट मिल गया तो मेरे पिता जी ने मुझसे कहा था बेटा हम इज्जतदार और पढ़े-लिखे लोग हैं, राजनीति में तो गुंडे-बदमाश होते हैं। अच्छे लोग थोड़े न आते हैं राजनीति में। अब दस साल बाद मैं जितना बुरा समझता था नेताओं को, वो धारणा और भी स्ट्रांग हो गई, क्योंकि नेता खराब नहीं बल्कि बहुत ही खराब होते हैं। लेकिन मैं आपको बता दूं कि हम लोग राजनीति में नहीं हैं, हम जो करने आए थे वो ही कर रहे हैं। अगर वजन कम होने की बात करूं तो उसकी वजह दूसरी थी। मैं काफी धार्मिक व्यक्ति हूं। तो मैं मंदिर जाने से पहले कभी अन्न नहीं खाता, तो जेल जाने पर मैंने पूरे एक साल तक अन्न नहीं खाया और उपवास पर रहा। उसकी वजह से मेरा वजन कम हो गया।

सौरभ भारद्वाज से, आपका कभी मन था राजनीति में आने का या आपका भी नहीं था?

मुझे पॉलिटिक्स काफी ग्लैमर वाली लगती थी। कॉलेज में यूनियन लीडर वगैरह को देखकर लगता था कि इनका जलवा तो है। लेकिन हमारे कॉलेज में ऐसा कुछ था नहीं। मैं एक नॉर्मल सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और मंडे टू फ्राइडे अपनी नौकरी करता था और शनिवार-इतवार पैसा खर्च करता था। आपने जो पार्टी के एकजुट रहने वाली बात की थी तो मैं बता दूं कि अब तक अरविंद केजरीवाल के साथ मैं लगभग 500 से ज्यादा मीटिंग कर चुका हूं। यहां सबके आईडिया सुने जाते हैं। तो वो जो आईडिया बताते हैं वो अलग ही होता है। होता क्या है कि जैसे मोदी जी की कितनी आईक्यू है आपको अंदाजा है, मुझे तो है। जो बाकी नेता हैं उनके मैं नाम नहीं लेना चाहता, जो हमारे साथ गठबंधन में भी हैं। दरअसल, आपको किसी के क्रियाकलाप देखकर उसके आईक्यू का अंदाजा हो जाता है। मुझे ऐसा लगता है कि पूरे पॉलिटिकल जगत में अरविंद केजरीवाल का आईक्यू सबसे ज्यादा है।

आपने जब इतनी ज्यादा पढ़ी-लिखी महिला को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया तो एक बार तो आपके मन में भी बहुत सारे ख्याल तो आये ही होंगे?

नहीं-नहीं, मेरे दिमाग में एक भी बार ऐसा कुछ नहीं आया। फैसला तो मुझे ही लेना था, अगर मेरे मन में जरा सा भी ये ख्याल आया होता कि मेरे साथ धोखा हो जाएगा, तो मैं अपने परिवार से किसी को बना देता। मेरे मन में एक बार को भी ख्याल नहीं आया। क्योंकि दस साल से हम जितने भी लोग आम आदमी पार्टी में काम कर रहे हैं सबको एक बात का भरोसा है कि हम यहां एक-दूसरे से दगा करने नहीं आए हैं, पैसा कमाने नहीं आए हैं, बेईमानी करने नहीं आए हैं। बाकी जितनी पार्टियां हैं वहां बेईमानी चलती है, इसीलिए वहां धोखे होते हैं। लेकिन यहां सबकी नीयत साफ है, पवित्र है। ये पवित्रता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है कि इतने बड़े-बड़े संकटों को झेलने के बाद भी आम आदमी पार्टी एकजुट है और एकसाथ खड़ी है।

आपने जब आतिशी को सीएम बनाया तो कुछ तो गुणा-गणित की ही होगी, कुछ रहा ही होगा आपके दिमाग में ?

केजरीवाल- क्या ही गणित रही होगी दिमाग में.. आप ही बताइए क्या गणित हो सकती है। ऐसा कुछ नहीं है। कहने वाले कहते हैं कि तेज तर्रार है, पढ़ी-लिखी है, महिलाओं को लेकर एक बड़ा दांव है। तो इसमें गलत क्या है, तेज तर्रार है, पढ़ी लिखी है, वो है ही और ये तो अच्छी बात ही है न।

आपने चुन-चुनकर ऐसे लोगों पर निशाना साधा, जिनके बारे में कहने की किसी की हिम्मत नहीं होती, देश के प्रधानमंत्री को भी।

हमने कभी किसी पर निशाना नहीं साधा, हमारी किसी व्यक्ति से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। हमारी ये लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं है, किसी पार्टी से नहीं है, हमारी लड़ाई इस सिस्टम से है और इस सिस्टम को हमने चैलेंज किया है। ये सिस्टम इन सब राजनीतिक पार्टियों से मिला हुआ है। हम लोगों ने इस पूरे सिस्टम को हिलाया है। कभी मजाक में भले कुछ किसी को कहा हो, लेकिन हम अपनी भाषा से, अपने शब्दों, अपनी वाणी से कभी किसी को कुछ नहीं कहना चाहते।

आप मजाक-मजाक में ही ऐसे शब्द बोल जाते हैं जो सीधे चुभते हैं। विधानसभा में फिर वो चाहें चौथी फेल राजा वाली कहानी हो या कोई और हमला, आप सीधा प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हो। क्योंकि आप जानते हो कि पीएम पर हमला करने से पूरी पार्टी तिलमिला जाएगी।। आपने उनकी डिग्रियों को लेकर कई बार सवाल किए हैं, तो ये सब तो कुछ न कुछ सोचकर ही तो करते होंगे न?

मैं फिर से ये ही कहूंगा कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं है, किसी एक पार्टी से नहीं है। हमने ये पार्टी किसी व्यक्ति या एक पार्टी से लड़ने और उनसे बदला लेने के लिए नहीं बनाई है। हम यहां देश के लिए आए हैं, व्यवस्था बदलने के लिए आए हैं, हमने व्यवस्था बदली है। हमने दिल्ली के अंदर शिक्षा की व्यवस्था पूरी बदलकर रख दी है, हमने देश को स्वास्थ्य का एक मॉडल दिया है। हमने देश को एक बिजली का मॉडल दिया है, तो हम सिर्फ व्यवस्था बदलने के लिए आए हैं और उसी पर हमारा ध्यान भी है। हमने तो बाकी पार्टियों से भी कहा है कि वो हमें बुलाएं अपने राज्य में हम वहां भी स्कूलों की हालत सुधार देंगे, हम वहां चुनाव भी नहीं लड़ेंगे। आप हमसे सीख लो, आप भी मोहल्ला क्लीनिक बनाओ। इनकी बीस साल से गुजरात में सरकार है, ये 24 घंटे बिजली नहीं दे पाए, हम सिखा देंगे इन्हें, हमसे पूछें। हम पूरा देश जीतने नहीं आए हैं, हमारी असली जीत तब होगी जब पूरा देश तरक्की करेगा।

आतिशी बात हो रही है कि स्कूलों की, अस्पतालों की, इतने स्कूल खोल दिए, लेकिन जब आपने पिछली फाइलें उठाकर देखी होंगी तो इससे ज्यादा तो आप लोगों ने शराब की दुकानें खोल दीं।

आतिशी- देखिए बाकी पार्टियों की समस्या क्या है कि इन्हें दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी समझ में नहीं आती है। इनको ये समझ में नहीं आता है कि ये कैसी सरकार है जो 10 साल में अपना बजट दोगुना कर देती है, जो बिजली, पानी, इलाज, अच्छी शिक्षा और बस सेवा सबकुछ फ्री में देती है और फिर भी मुनाफे में रहती है। ये कैसी सरकार है जहां दस साल मुख्यमंत्री रहने के बाद भी अरविंद केजरीवाल ने जब इस्तीफा दिया तो उनके पास अपना घर नहीं था, वो किराए का घर ढूंढ रहे थे। अब अगर ऐसे लोग राजनीति में आएंगे जो सड़कें भी ठीक कर देंगे, अस्पताल भी ठीक कर देंगे, फ्री में शिक्षा, बिजली, पानी सब कुछ देंगे, तो इन बाकी राजनीतिक दलों की तो दुकानें ही बंद हो जाएंगी। इसलिए इन्हें कोई न कोई कहानी तो गढ़नी ही थी, तो इन्होंने शराब घोटाले की ये कहानी गढ़ी। अब पूरे देश ने देख लिया कि किस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की सारी एजेंसियों पर तमाचा मारा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कथित शराब घोटाले को लेकर कहा कि ये सभी सरकारी एजेंसियां पिंजरे में बंद पक्षी की तरह हैं और इन्हें स्वतंत्र होना चाहिए। ये पूरा शराब घोटाले का मामला ही इसलिए था कि इस आम आदमी पार्टी को खत्म करो।

भाजपा कहती है कि देश में 80 और 20 की लड़ाई है। 80 फीसदी हिंदू है और 20 फीसदी वो मुसलमानों को मानते हैं। लेकिन पहली बार कोई नेता बीजेपी की इस राजनीति में, उनके हिंदू वोटरों में ये पुजारियों के लिए योजना लाकर सेंध लगा रहा है। लगता है बीजेपी को आपसे इसीलिए दिक्कत है और इसीलिए वो आपको चुनावी हिंदू बता रहे हैं?

ये उनकी विचारधारा है, हमारी नहीं है। हम अच्छी राजनीति कर रहे हैं, हम स्कूलों और अस्पतालों की राजनीति कर रहे हैं। हम पंडितों और गरीब पुजारियों को तनख्वाह देने की बात कर रहे हैं। हम लक्ष्मी जी की बात करते हैं, गणेश जी की बात करते हैं, हनुमान जी की बात करते हैं, उन पर उनका अधिकार है क्या। रामचंद्र जी हमारे हैं, हनुमान जी हमारे हैं। इन पर उनका अधिकार थोड़े न है। वो रामचंद्र जी के नाम पर राजनीति करते हैं, हम तो दिल से मानते हैं।

आप बीजेपी की बिछाई शतरंज पर बैटिंग कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि मोदी जी तो एक-दो सालों में रिटायर हो जाएंगे, क्योंकि उनकी उम्र भी हो गई है और पार्टी में भी बगावत उठ रही है। इसलिए अब आरएसएस चाहेगा कि अरविंद केजरीवाल जैसा एक नेता आए जो हिंदू वोट बैंक को संभाल सके।

मेरा वोट बैंक इस देश के 140 करोड़ लोग हैं। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होगी जब हम देश के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा दे पाएं। मुझे खुशी होगी अगर सबको अच्छा इलाज मिल पाए, मुफ्त बिजली मिल पाए, अच्छी सड़कें मिल पाएं, अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मिल पाए और देश के अंदर हर व्यक्ति अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार अपने-अपने भगवान की भक्ति करने के लिए स्वतंत्र हो। मैं अगर बालाजी के मंदिर जाता हूं तो लोग कहते हैं कि ये चुनावी हिंदू है, ये क्या बात हुई।

लोग कहते हैं शाहीन बाग पर आप चुप हो जाते हैं और मंदिर चले जाते हैं?

क्या बोलूं मैं शाहीन बाग पर? वो इनकी राजनीति का हिस्सा है, ये कर रहे हैं राजनीति। मेरी राजनीति काफी अलग है। मेरी ये वाली राजनीति नहीं है। मेरी राजनीति शिक्षा, बिजली, पानी और सड़क वाली है। मेरी वाली राजनीति इनको करना नहीं आता, इसलिए ये वो नहीं करते हैं।

प्रधानमंत्री जी ने आपकी ओर इशारा करते हुए बड़ा बयान दिया है कि अन्ना के आंदोलन से कुछ ऐसे लोग पैदा हो गए हैं। अभी तक तो वो अन्ना को बहुमत मानते थे।

मैंने प्रधानमंत्री जी का भाषण सुना था। उन्होंने 43 मिनट का भाषण दिया जिसमें से 29 मिनट उन्होंने सिर्फ दिल्लीवालों को गालियां दी हैं। उन्होंने दिल्ली के लोगों, दिल्ली के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार को सिर्फ गालियां दी हैं। आखिर मोदी जी को गालियां देने की जरूरत क्यों पड़ी? क्योंकि उन लोगों ने 10 साल में कोई काम नहीं किया। दिल्ली के अंदर दिल्ली के लोगों ने 2015 में दो सरकारें चुनीं, केंद्र में मोदी जी को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को। दस साल तक हमने इतने काम किए कि मैं आपको गिनाता चला जाऊंगा। लेकिन मोदी जी ने पिछले दस साल में एक भी काम नहीं किया। मैंने 500 मोहल्ला क्लीनिक बनाए, वो तो इतने ज्यादा ताकतवर हैं, वो बनाएं 5 हजार मोहल्ला क्लीनिक, किसने रोका है। अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो उन्हें

सत्येंद्र जी आपको कई तरफ से लड़ना पड़ रहा है, चुनाव आयोग से लड़ना पड़ रहा है, भाजपा से लड़ना पड़ रहा है और एक और बड़ी ताकत है मीडिया जिससे आपको लड़ना पड़ रहा है।

जनता दोनों तरफ की सुनती है। उन्होंने पहले सुनकर लोकसभा में चुन तो दिए न, ये सब झमा और हंगामा करने के लिए उन्होंने लोकसभा के सांसद चुन दिए। अब काम करने वाला भी तो चाहिए है न कोई। दूसरी बात इनके विदेश में डंका और गुजरात विकास का प्रोपेगंडा चल सकता है। लेकिन जब ये दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक को लेकर कोई प्रोपेगंडा चलाएंगे तो नहीं चलेगा, क्योंकि यहां दिल्ली की गरीब जनता जा रही है और उसे इलाज मिल रहा है। लाखों लोगों को पता है कि मोहल्ला क्लीनिक में दवाई भी मिल रही है, डॉक्टर भी बैठा है और फ्री टेस्ट भी हो रहे हैं। 18 लाख बच्चे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बढ़ रहे हैं तो वो 18 लाख परिवार के लोग तो दिल्ली के स्कूलों का हाल देख ही रहे हैं न। वो तो जानते हैं न कि केजरीवाल ने क्या काम किया है। उन्हें मोदी जी कहां से झूठ बता पाएंगे।

फिर अगर सरकार बनती है तो एलजी से फिर ऐसे ही झगड़े होते रहेंगे, ऐसे ही कामों में फिर अड़ंगा लगता रहेगा?

पिछले दस साल से भी काम तो हो ही रहे हैं न। जितने काम दस साल में दिल्ली के अंदर हुए हैं, उतने काम पिछले 28-30 साल में इनकी सरकार में गुजरात के अंदर नहीं हुए हैं।

तो ये माना जाए कि ये बीजेपी का ट्रप कार्ड है, जो ईवीएम से भी बड़ा है और इसके जरिए खेल उन राज्यों में भी हुआ जहां चुनाव हुए ?

देखिए ये लोग दो तरह के खेल खेल रहे हैं- नाम कटवा रहे हैं दूसरी पार्टियों के, मैंने अपनी विधानसभा में पकड़ा है इन लोगों को, ये न्यूज चैनल के बनकर घर-घर जाते हैं और सर्वे के नाम पर पूछते हैं कि आप किसको वोट देंगे, तो कुछ लोग बताते हैं कुछ नहीं बताते हैं। इसी तरह से आठ-दस हजार वोट कटवाते हैं दूसरी पार्टी के और अपने इतने ही बढ़वा लेते हैं।

इस चक्कर में पब्लिक कन्फ्यूज हो जाती है। महाराष्ट्र में जाकर संजय सिंह कह रहे थे कांग्रेस बहुत अच्छी है। अब दिल्ली में आकर कहेंगे कि कांग्रेस बड़ी खराब है, इससे जनता तो कन्फ्यूज है न?

अरविंद केजरीवाल- पब्लिक ही नहीं, हम बहुत कन्फ्यूज हैं। लोकसभा के अंदर कांग्रेस के प्रत्याशी के लिए मैंने प्रचार किया, आज कांग्रेस के सारे नेता दिल्ली चुनाव में मुझे हराने में लगे हुए हैं। आप बताओ क्या ये सही है ? महाराष्ट्र में संजय सिंह कांग्रेस के लिए प्रचार करके आए, लेकिन अब वो ही कांग्रेस दिल्ली में बीजेपी के खिलाफ, मोदी जी के खिलाफ हमें हराने में लगी हुई है। क्या ये सही है?

हरियाणा-महाराष्ट्र चुनाव के बाद पूरी कांग्रेस ईवीएम का राग अलापती रही, लेकिन अकेले आपने अपनी जासूसी से पता कराकर ये कहा कि खेल ईवीएम में नहीं बल्कि मतदाता सूची में हो रहा है। ये बात कांग्रेस जैसी इतनी बड़ी पार्टी को समझ में नहीं आती, आपको कहां से ये अंदर की खबरें पता चल जाती हैं?

मैंने सबूत के साथ बताया है। हमने देखा कि शाहदरा के अंदर एक विधानसभा में भाजपा ने अपने लेटर हेड पर मोहर लगाकर 11 हजार वोटरों के नाम कटवाने की अप्लीकेशन दायर की है। एक भाजपा वाले ने खुद मुझे लाकर वो सूची दी है। अंदर से वो पूरी सूची हमारे पास आ गई और हमने उन 11 हजार में से रैंडम 500 लोगों की जांच कराई तो पता चला कि 378 मौजूद थे अपने घर में और वो सारे आम आदमी पार्टी के वोटर थे। रोहिंग्या-रोहिंग्या चिल्लाते हैं, ये सारे तो पूर्वांचली और दलित थे। यानी कि पूर्वांचली आम आदमी पार्टी के वोट कटवाने की साजिश रच रहे थे ये लोग मैंने सारा का सारा सच मीडिया के सामने लाकर रख दिया।

शुरू में आप भी काफी एंग्री यंग मैन थे, आपने आते ही देश के एक बड़े उद्योगपति अंबानी पर एफआईआर दर्ज करा दी थी, फिर देश का एक बड़ा न्यूज चैनल आपके खिलाफ खबरें चला रहा था, आपने उस चैनल के खिलाफ पूरे पेज का एक बड़ा विज्ञापन दे दिया था। लेकिन अब आपने लाइन चेंज कर दी है और थोड़ा सॉफ्ट हो गए हैं। अब आप ऐसा नहीं करते।

नहीं ऐसा नहीं है। जो सही है वो सही, जो गलत है वो गलत है। आप जिस वक्त की बात कर रहे हैं उस वक्त एंटी करप्शन ब्रांव हमारे पास होती थी, तो किसी भी किस्म का भ्रष्टाचार होगा तो उस पर हम एक्शन लेंगे। लेकिन अब मोदी जी ने आकर एंटी करप्शन ब्रांव ही छीन ली। हमसे छीनी थी तो आपने आप ही कुछ करते, लेकिन उन्होंने तो उनके साथ हाथ ही मिला लिया।

इंडिया गठबंधन के अखिलेश यादव कह रहे हैं हम आम आदमी पार्टी को सपोर्ट करेंगे, ममता बनर्जी कह रही हैं हम केजरीवाल को सपोर्ट करेंगे। इंडिया गठबंधन के जितने भी सहयोगी दल हैं वो कांग्रेस की बजाय आपकी तरफ आ रहे हैं, तो ये माना जाए कि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा चेहरा आप हैं?

ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सही हम हैं। सब लोग सही का साथ दे रहे हैं। हम बदमाशी नहीं कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस बदमाशी कर रही है। कांग्रेस पीठ पीछे बीजेपी के साथ गठबंधन कर रही है। इसे अखिलेश भी बर्दाश्त नहीं कर सकते, ममता दीदी भी बर्दाश्त नहीं करेंगी, एनसीपी और शिवसेना भी बर्दाश्त नहीं करेंगे, इंडिया गठबंधन का कोई भी दल बर्दाश्त नहीं करेगा।

अब मौलवियों को भी कुछ देने की योजना है क्या आपकी ?

सारे देते हैं मौलवियों को। आपके उत्तर प्रदेश में भी दे रहे हैं। यहां भी वक्फ बोर्ड देता है यहां भी वक्फ बोर्ड दे रहा है। हरियाणा में 16 हजार देता है वक्फ बोर्ड। लेकिन पुजारियों को रुपए देने वाला देश का इकलौता राज्य दिल्ली है। मौलवियों को देने वाले सारे राज्य हैं।

केजरीवाल जी ऐसा माना जाता है कि इंसान जो करता है उसकी शुरुआत उसकी कॉलेज लाइफ में ही हो जाती है। हर कोई आपके दिमाग की बहुत तारीफ करता है, बीजेपी वाले भी ये कहते हैं कि अरविंद केजरीवाल के दिमाग में क्या चल रहा है ये कोई नहीं जान सकता। तो ये सब आपके दिमाग में कहां से आता है और कैसे आपका दिमाग इतनी तेज चलता है?

देखिए हमारी विचारधारा एक है और बाकी सबसे अलग है। हम सब देश के लिए कुछ करने आए हैं, हमें अपने लिए कुछ नहीं चाहिए। अगर हमारी पार्टी में किसी को ये लगता कि केजरीवाल पैसे बना रहा है, केजरीवाल पर लगे आरोप सही हैं, तो जब तक मैं जेल से बाहर आता पूरी पार्टी टूटकर बिखर चुकी होती। आज सब लोग पार्टी में इसलिए एकजुट हैं क्योंकि सबकी नीयत साफ है और सबकी विचारधारा एक है। जब मैं जेल से बाहर आया और आतिशी का नाम सीएम बनाने के लिए लाया, तो सबने हमसे कहा कि अरे ये क्या कर रहे हो, तुम्हारे साथ भी नीतीश कुमार की तरह हो जाएगा वगैरह-वगैरह। लेकिन हमें डर की कोई जरूरत ही नहीं है, क्योंकि सबकी नीयत साफ है, सबकी विचारधारा एक ही है। कोई यहां पैसे कमाने नहीं आया, कोई यहां पद के लिए नहीं आया। सब एक ही मकसद से काम कर रहे हैं। बस सबकी जिम्मेदारियां अलग-अलग हैं, लेकिन नीयत सबकी साफ है। अंत में सारी चीजें नीयत पर ही आ जाती हैं, जो हमारी साफ है।

क्या कारण है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहते हैं ?

वो दोनों एक ही व्यवस्था का हिस्सा हैं, जिस व्यवस्था में बहुत सारी समस्याएं हैं। आम आदमी पार्टी उस व्यवस्था को चैलेंज कर रही है। हमने उस सिस्टम को हिलाया है, इसीलिए हम लोग जेल गए हैं। वो दोनों पार्टियां एक-दूसरे सहमत हैं। आम आदमी पार्टी को दोनों पार्टियां समाप्त करना चाहती हैं।

केजरीवाल जी जब किसी परिवार के साथ ऐसा कुछ होता है एक पढ़ा लिखा इंजीनियर, एक आईआरएस बढ़िया नौकरी करके राजनीति में आया और फिर अचानक जेल चला गया। तो परिवार पर क्या बीतती है? आपके बुजुर्ग माता-पिता हैं, पत्नी हैं और खासकर बच्चे जो छोटे हैं, वो जो दर्द है वो आपसे ज्यादा परिवार ने महसूस किया होगा? क्या आपको कोई दुख होता है?

जी बिल्कुल दर्द तो परिवार ने ज्यादा झेला, लेकिन गिल्ट या पश्चाताप किस बात का। जब आप इस रस्ते पर चलते हैं तो गिल्ट क्या। देखिए हम तो आजाद भारत में पैदा हुए हैं, इतनी सुविधाएं हैं, इतने अधिकार हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे खुशहाल परिवार में पैदा हुए हैं जहां सारी सुविधाएं हैं। लेकिन आप उन लोगों की सोचों भगत सिंह की, चंद्रशेखर आजाद की, जिन्होंने देश को आजादी दिलाई थी। जब वो लोग आजादी के आंदोलन में कूदे होंगे तो उनके परिवारों पर क्या बीती होगी। हमारे परिवार पर बीती लेकिन जब हम राजनीति में आए तो हमारे परिवारों को पता था कि हम राजनीति में जा रहे हैं, जहां कुछ भी हो सकता है। हमने ऐसे-ऐसे काम किए हैं जिससे इतने सालों से देश को लूटने वाले लोगों को नुकसान हुआ है। तो ऐसे लोग चुप तो नहीं बैठेंगे।

आपको क्या लगता है हरियाणा-महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भी ये किया गया होगा ?

मुझे तो लगता है शायद हुआ है। किसी को इस पर रिसर्च करनी चाहिए। अगर रिसर्च होगी तो ये निकलकर आएगा पक्की बात है।

आपकी पार्टी तो अभी उतनी बड़ी भी नहीं है और आधे नेता तो आपके अक्सर जेल में रहते हैं, लेकिन आपसे बड़ी और ताकतवर पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस क्यों नहीं कर पाती ये काम ?

ये तो आपको उनसे ही पूछना चाहिए।

आप इंडिया गठबंधन में शामिल हुए और इंडिया गठबंधन से ही लड़ाई लड़ ली। कांग्रेस तो आजकलनाराज है आपसे ?

नहीं, हमने कहां लड़ाई लड़ ली। नेशनल लेवल पर हमारा गठबंधन था। राज्य स्तर पर हर पार्टी अपना-अपना चुनाव लड़ रही है। किसी राज्य में इंडिया गठबंधन की कुछ पार्टियां साथ आएंगी, किसी राज्य में नहीं आएंगी। वो हर राज्य में अलग-अलग निर्भर करता है।

सत्येंद्र जी आप बताइए आप आर्किटेक्ट रहे हैं, लेकिन पार्टी को कैसे अच्छा बनाया जाए वो कैसे अच्छा काम करे ये अरविंद केजरीवाल को अच्छे से आता है न?

देखिए मेन बात है इंटेंट की। जैसा कि केजरीवाल जी ने बताया हमारी सोच साफ है, तो कोई गड़बड़ नहीं होगी। हमारी बात होती है काम की, और बाकियों की बात होती है राजनीति की। उनके पास तो इतनी लंबा-चौड़ा इतिहास है, लेकिन हमारे पास क्या? सिर्फ हमारा काम, स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सड़कें, बस।

केजरीवाल को गाली देने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर केजरीवाल कोई लाइन खींची हैं आप उसके सामने उससे बड़ी लाइन खींच दो, तो आपको मुझे गाली नहीं देनी पड़ेगी। आपको केजरीवाल को गालियां इसलिए देना पड़ रहा है क्योंकि आपने कोई काम किया ही नहीं। मैं गालीगलौज नहीं करता हूं, मैं काम की ही बातें करता हूं, आप मेरा कोई भाषण उठाकर देख लीजिए।

आपने राहुल गांधी को फोन करके क्यों नहीं कहा कि आप लोग क्यों कर रहे हो ऐसा ?

क्या उनको दिख नहीं रहा? उन्हें ये रोकना नहीं चाहिए क्या? ये बिना उनकी सहमति के तो हो नहीं रहा होगा। ऐसा तो नहीं हो सकता कि उन्हें इस बारे में कुछ पता ही न हो।

दिल्ली के चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहेगी या नहीं?

चुनाव के बाद देखते हैं आगे क्या करना है।

नतीजे आपके पक्ष में आएंगे तो मुख्यमंत्री आप (आतिशी से) रहेंगी या सिंहासन वापस कर देंगी ?

आतीशी- दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल जी को चुनकर भेजेंगे, तो अरविंद केजरीवाल ही दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे। चुनाव ही अरविंद केजरीवाल के नाम पर लड़ा जा रहा है।

क्या ईगो की लड़ाई है? अगर चुनाव से पहले आप लोग बात कर लेते कि दोनों लोग मिलकर लड़ लेते हैं।

ईगो कहां आ गया बीच में। मिलकर लड़ने का सवाल इसलिए नहीं है क्योंकि दिल्ली के अंदर वो परिस्थितियां नहीं हैं कि कांग्रेस के साथ गठबंधन हो। लेकिन आप 24 घंटे सिर्फ आप और केजरीवाल को ही घेर रहे हो। कांग्रेस के नेताओं का एक भी बयान बीजेपी के खिलाफ नहीं आता है। संदीप दीक्षित ने मेरे खिलाफ शिकायत की कि मैं महिला सम्मान योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कर रहा हूं। जबकि ऐसा कुछ था ही नहीं। उसी विधानसभा के अंदर बीजेपी के नेता खुलेआम कैश में पैसे बांट रहे हैं, उसकी शिकायत कांग्रेस वाले नहीं करते हैं। मैं नहीं कहता मेरे पक्ष में करें, लेकिन इसका मतलब वो ये तो मान लें कि वो लोग बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। आप ये घोषणा कर दो कि बीजेपी और कांग्रेस दिल्ली से आम आदमी पार्टी को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। जनता बेवकूफ नहीं है, जनता देख रही है सबकुछ।

ये सारी कवायद इसलिए तो नहीं है कि दिल्ली चुनाव के बाद ये कहा जाने लगे कि अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन के संयोजक होंगे?

नहीं मुझे नहीं बनना संयोजक। गठबंधन में बहुत बड़े-बड़े नेता हैं, उन सबकी मैं बहुत इज्जत करता हूं। वो सभी नेता मुझसे ज्यादा काबिल भी हैं।

आपने कांग्रेस का वोट बैंक खत्म कर दिया है।

देखिए दिल्ली में 70 सीटें हैं, लेकिन एक सीट का नाम बताइए जहां आपको ये लग रहा हो कि कांग्रेस जीत रही है या जीतने के लिए लड़ रही है। दिल्ली के वोट बैंक में कांग्रेस के पास अब कोई वोट भी नहीं हैं। कांग्रेस दिल्ली में सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी को हराने के लिए लड़ रही है।

चुनाव आयोग के पास आप जितनी शिकायतें कर रहे हैं और जिस तरह से चुनाव आयोग नाकारा बन गया है। आपको क्या लगता है दिल्ली चुनाव को आयोग ईमानदारी से करा पाएगा?

हम शाहदरा वाला मामला लेकर जो चुनाव आयोग गए थे, तो हमसे उन्होंने कॉपरेट किया और उनके हस्तक्षेप के बाद ही ये मास डिलीशंस दिल्ली में बंद हुए। अब इन्होंने मेरी विधानसभा टारगेट की है, उसको लेकर अब हम जा रहे हैं। मौजूदा वक्त में हर कोई डरा हुआ है। जज, पत्रकार, ब्यूरेक्ट्स, मीडिया यहां तक कि ट्वीट करने वाला एक आम आदमी तक डरा हुआ है।

सांध्य दैनिक 4PM विशेष साक्षात्कार

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सामाजिक रूप से दूर होते जा रहें कर्मचारी!

अभी हाल में एक रिपोर्ट आई है जिसमें ये खुलास हुआ है प्राइवेट सेक्टर के लोग ज्यादा काम करते हैं। हालांकि उसके हिसाब से उन्हें सैलरी भी मिलती है। पर इसका दूसरा पहलू यह है कि उसका दुष्प्रभाव भी कामकाजी लोगों पर पड़ रहा है। वे सामाजिक रूप से दूरे होते चले जा रहें हैं। जो एक खतरनाक व चिंता की बात है। काम के घंटे व ओवर टाइम की व्यवस्था ऐसी हो ताकि नौकरीपेशा लोगों की सामाजिक दायित्व छिन्न भिन्न न हो। हालांकि नौकरी देने वाले संस्थान अब इसके लिए अपने स्तर से सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन करके इस समस्या से निपटने का फार्मूला निकाल रहे हैं। दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती-किसानी के तरीके भी बदलेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार अगले दस सालों में कामकाज के घंटों और नौकरी करने के तौर-तरीकों में परिवर्तन आएगा। एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों-कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे। इसका असर डिजिटल और इंटरनेट की दुनिया में अभी से दिखने लगा है। पिछले दिनों एक प्रस्ताव सामने आया था कि काम के घंटे 10 से 14 कर दिए जाएं, क्योंकि आईटी क्रांति का सामना इसी तरह से किया जा सकेगा। बहरहाल, कामकाजी दुनिया की हकीकत बदल रही है। हाल के बजट में वित्तमंत्री ने भी जिन पांच क्षेत्रों में नौकरी की व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया है, उसमें कृत्रिम मेधा और रोबोट्स की दुनिया के प्रयोग को नकारा नहीं है। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति-संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है। बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें। देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है।

“ दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती-किसानी के तरीके भी बदलेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फसल खुद नष्ट कर रहे हैं किसान

पंकज चतुर्वेदी

झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ और बारियातू इलाकों में दो प्रकार के टमाटर की खेती प्रसिद्ध है- एक गुलशन (मोटे छिलके वाला) जो सलाद और सब्जी में उपयोग होता है, और दूसरा सलेक्शन (नरम छिलके वाला) जिसका इस्तेमाल सब्जी, चटनी और टोमैटो कैचअप में होता है। हालांकि, पहले यहां की टमाटर फसल किसानों के लिए लाभकारी थी, लेकिन इस साल फसल तो अच्छी हुई है, लेकिन मंडी तक पहुंचाने और उसकी कीमत निकालने में दिक्कत हो रही है, जिससे किसानों को घाटा हो रहा है। रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदग्गा में टमाटर, गोभी, पालक जैसी फसलों की बुरी स्थिति है। किसानों ने खुद अपनी फसल को ट्रैक्टर से रौंद कर नष्ट कर दिया है, क्योंकि फसल का मूल्य बहुत कम हो गया है।

गोभी के दाम 2-4 रुपये और टमाटर के दाम 2 रुपये प्रति किलो तक गिर गए हैं, जो तुड़ाई की लागत भी नहीं निकाल पा रहे। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के हरवाई गांव में भी टमाटर की फसल पर रोटवेलर चलाकर गेहूं बोने की स्थिति है। यहां किसानों ने खेत किराये पर लिए थे, लेकिन टमाटर के दाम में भारी गिरावट आ गई है। पिछले महीने 400 रुपये प्रति क्रेट मिलने वाला टमाटर अब 30 रुपये प्रति क्रेट बिक रहा है। तुड़ाई, मंडी का खर्च और परिवहन के बाद किसान को भारी नुकसान हो रहा है। मध्यप्रदेश के बड़वानी में टमाटर मवेशी खा रहे हैं, जबकि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में टमाटर के दाम 40 रुपये प्रति किलो हैं। लेकिन विभिन्न जिलों में टमाटर की फसल कूड़े में पड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ के किसानों को जलवायु परिवर्तन के कारण फसल नष्ट करनी पड़ रही है। दुर्ग जिले में चक्रवाती तूफान और अचानक बढ़ी ठंड ने टमाटर की फसल को प्रभावित किया, जिससे दाम गिर गए और किसान मजबूर होकर फसल नष्ट कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी हालात खराब हैं, जहां मेडक के शिवमपेट में किसानों ने अपनी फसल को आग लगा दी है। विदित है कि टमाटर 15-27 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच के तापमान में सबसे अच्छे उगते हैं, और इसके लिए आदर्श औसत मासिक तापमान 21-23 एडिग्री सेंटीग्रेड होता है। 32ए डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान फल लगने और उसके विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। दक्षिणी राज्यों में जलवायु परिवर्तन के कारण टमाटर की खेती प्रभावित हो रही है, जिसके कारण सफेद फंगस और पट्टी

में छेद करने वाले कीटों की समस्या बढ़ गई है। इससे पहले ही कीटनाशकों का खर्च बढ़ गया था। हालांकि, फसल अच्छी हो गई, लेकिन बाजार में दाम नहीं मिलने के कारण किसान कर्ज में दब गए हैं। अधिक फसल कभी-कभी किसानों के सुनहरे सपनों पर पानी फेर देती है। घर के नए छप्पर, बहन की शादी, माता-पिता की तीर्थ यात्रा— किसान ऐसे अनेक सपने लेकर अपनी 'केश क्रॉप' फसल सड़क पर फेंक देते हैं। इसके साथ रहती है केवल एक चिंता-खेती के लिए लिए गए बीज और खाद के कर्ज को कैसे चुकाया जाए? पूरे देश की खेती अनियोजित, शोषण का शिकार और किसान प्रतिकूल है, जिससे हर साल कई हिस्सों में किसान फसल को सड़क पर फेंकने को मजबूर होते हैं, जबकि कुछ ही महीनों बाद वही फसल फिर संकट का कारण बन जाती है। किसान मेहनत कर सकता है और अच्छी फसल दे सकता है, लेकिन सरकार को भी उसके परिश्रम के लिए उचित दाम और माल के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। कर्नाटक के कई जिलों में किसान हरी मिर्च जैसी फसलों को हर दूसरे-तीसरे साल सड़कों पर फेंककर अपनी हताशा व्यक्त करते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कभी टमाटर, अंगूर, मूंगफली तो कभी गोभी किसानों को इसी तरह हताश करती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में आलू की फसल मवेशियों को चराने के लिए छोड़ दी जाती है, जबकि दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा में आलू के दाम बढ़े रहते हैं। राजस्थान में जब टमाटर सड़कों पर बिखरते हैं, वहीं गुजरात में टमाटर के दाम उच्च स्तर पर रहते हैं। सरकारी और निजी कंपनियां अधिक उत्पादन देने वाले बीजों का प्रचार करती हैं, लेकिन जब फसल अच्छी होती है, तो दाम इतने कम होते हैं कि किसानों की लागत भी नहीं निकल पाती। विडंबना है कि कृषिप्रधान अर्थव्यवस्था वाले देश में कृषि उत्पाद के न्यूनतम मूल्य, उत्पाद खरीदी, बिचौलियों की भूमिका, किसान को भंडारण का हक, फसल-प्रबंधन जैसे मुद्दे गौण दिखते हैं। यह हमारे लोकतंत्र की किसान के प्रति संवेदनहीनता का प्रमाण है। सब्जी, फल और दूसरी कैश-क्राप को बगैर सोचे-समझे प्रोत्साहित करने के दुष्परिणाम दाल, तेल-बीजों (तिलहनों) और अन्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन में संकट की सीमा तक कमी के रूप में सामने आ रहे हैं।

कैंसर के खतरे से जुड़ा है शराब का सेवन

दिनेश सी. शर्मा

नये साल की शुरुआत एक नई स्वास्थ्य-चेतावनी के साथ हुई है। अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने एक परामर्श प्रपत्र जारी किया है, जिसमें शराब सेवन और कैंसर के बढ़ते जोखिम के बीच सीधा संबंध बताया गया है। अमेरिका में कैंसर का तीसरा सबसे बड़ा रोकथाम योग्य कारण मदिरा पान है। हिदायत में कहा गया है कि चाहे शराब का सेवन किसी भी प्रकार का हो, इससे कम-से-कम सात प्रकार के कैंसर (स्तन, कोलोरेक्टम, ग्रास-नली, यकृत, मुंह, गला और स्वर-यंत्र) का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिका में स्तन कैंसर के 16.4 प्रतिशत मामले शराब सेवन की वजह से हो रहे हैं। परामर्श प्रपत्र में चेतावनी दी गई है कि स्तन, मुंह और गले जैसे कुछ कैंसर के लिए 'जोखिम प्रतिदिन एक पैग या उससे कम के शराब सेवन से भी पैदा हो सकता है'। यहां तक कि शराब की थोड़ी मात्रा भी लीवर सिरोसिस जैसी विकट बीमारियों में कारक बन सकती है। हालांकि, किसी व्यक्ति में दारू पीने से कैंसर होने का जोखिम कई जैविक, पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर भी निर्भर करता है।

यह सलाह विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के उस बयान के बाद आई है जिसमें शराब पीने से जुड़े जोखिम और नुकसान के बारे में बताया गया था। यह निष्कर्ष वैज्ञानिक साक्ष्यों के व्यवस्थित मूल्यांकन पर आधारित है। शराब सीधे तौर पर कई बीमारियों के लिए जिम्मेवार है और सड़क दुर्घटनाओं के पीछे दारू पीकर गाड़ी चलाना बहुत हद तक जिम्मेवार है। द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित विश्व स्वास्थ्य संगठन के बयान का निष्कर्ष है 'जब बात शराब के सेवन की आए, तो इसकी कोई भी वह मात्रा सुरक्षित नहीं है जिससे स्वास्थ्य प्रभावित न होता हो'। 1980 के दशक में, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने शराब को 'ग्रुप- 1 कार्सिनोजेन' के रूप में वर्गीकृत किया था। यह कैंसर पैदा करने वाले पदार्थों की सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी है जिसमें तंबाकू, रेडिएशन और एस्बेस्टस शामिल हैं। इथेनॉल शरीर में टूटने के कारण जैविक तंत्र के माध्यम से कैंसर का कारण बनता है।

इसलिए, शराब युक्त कोई भी पेय (चाहे वह बीयर हो, वाइन हो या व्हिस्की) स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करता है। अपने बयान में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि शराब की मात्रा बढ़ने के साथ इसका जोखिम काफी हद तक बढ़ता चला जाता है। यह सुबूत इस मिथक को तोड़ता है कि कुछ मादक पेय, विशेष रूप से रेड वाइन, अगर संयम से सेवन किए जाएं तो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। दशकों से, शराब उद्योग ने हृदय रोग विशेषज्ञों को इस विचार को बढ़ावा देने के लिए गठजोड़ बनाया है कि शराब का सीमित मात्रा में सेवन हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, जबकि इस तरह के दावों का समर्थन करने के लिए कोई विश्वसनीय वैज्ञानिक अध्ययन नहीं हुआ है। दूसरी ओर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोपीय क्षेत्र के डाटा से पता चलता है कि शराब से होने वाले सभी किस्म के कैंसर में आधों में कारण आमतौर पर कथित 'हल्का' अथवा 'मध्यम' मदिरा सेवन करने वाले रहे, जैसे कि प्रति सप्ताह एक बोतल शराब या दो बोतल बीयर।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसा कोई अध्ययन नहीं है जो हृदय रोग या मधुमेह पर हल्की अथवा मध्यम मात्रा में शराब पीने के लाभकारी प्रभावों को प्रदर्शित करता हो या जो इस तरह के सेवन से जुड़े कैंसर के जोखिम को कम करना स्थापित करे। विश्व स्वास्थ संगठन में शराब और अवैध नशीली दवाओं के विशेषज्ञ कैरिना फेरेरा-बोर्गेस का कहना है 'केवल एक चीज जो हम निश्चित रूप से कह सकते हैं वह यह कि जितना अधिक आप पीते हैं, उतना ही ज्यादा नुकसान यह करेगी। दूसरे शब्दों में, जितना कम आप पीएंगे, उतना ही आप सुरक्षित हैं'। जब आम तौर पर उत्पादित और उपभोग किये जाने वाले इस पदार्थ (शराब) के दुष्प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक प्रमाण हैं, जिससे सरकारों को पर्याप्त राजस्व भी मिलता है, तो नुकसान को कम करने के लिए क्या कोई विकल्प उपलब्ध हैं? शराब पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का ब्यान उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों को दर्शाता है और सरकारों के लिए उपलब्ध नीतिगत विकल्प भी सुझाता है। लेकिन इस पर अमल तो सरकारों को ही करना है। शराब की खपत को कम करने में सबसे सरल विकल्पों में से एक है शराब की बोतलों पर चेतावनी लेबल के माध्यम से लोगों को संभावित नुकसान के बारे में जागरूक करना। यह उन उपायों में से एक है जो मूर्ति ने अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों के लिए सुझाया है, जो इस पर योजना बनाने की सोच रहे हैं।

मूर्ति ने कैंसर के जोखिम को ध्यान में रखते हुए शराब के सेवन के लिए दिशा-निर्देश सीमाओं का पुनर्मूल्यांकन करने का भी आह्वान किया है। विभिन्न देशों द्वारा विचाराधीन चेतावनी लेबल कई प्रकार के हैं - स्वास्थ्य के लिए सामान्य नुकसान, अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग के नुकसान और विशिष्ट समूह (कम उम्र वाले, गर्भवती महिलाएं, आदि) आधारित संदेश। उदाहरण के लिए, आयरलैंड 2026 में जो चेतावनी जारी करने की योजना बना रहा है, उसमें कहा जाएगा 'शराब पीने से लीवर कैंसर होता है'। 2019 में, भारत ने अधिकांशत: सामान्य चेतावनियां छापना अनिवार्य कर दिया था, जिसमें लिखा रहता है 'हार्ड लिकर (शराब) का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' और कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर 'सुरक्षित रहें, शराब पीकर गाड़ी न चलाएं'। चेतावनी लेबल के अलावा, भारत में शराब के विज्ञापनों पर प्रतिबंध हैं।

बिहार में डीके टैक्स को लेकर मचा कोहराम

» राजद ने एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीएम को जनता से बात करने के लिए रुपये चाहिए : तेजस्वी

पटना। बिहार में साल के आखिर में चुनाव होने हैं पर वहां की सियासत में अभी से डीके टैक्स व बीपीएससी परीक्षा को लेकर कोहराम मच गया है। इसी सिलसिले में पश्चिम चंपारण पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोल है। बगहा में कार्यक्रम को संबोधित करने राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार को डीके टैक्स का खौफ है। राज्य में सभी लोग डर रहे हैं। मंत्री तक डीके की खुशामद करते रहते हैं। समय आने पर बताएंगे कि कौन है डीके? हमलोग जल्द ही इसका खुलासा भी करेंगे कि कैसे होती है वसूली?

बिहार की राजनीति में पहले नीतीश कुमार के करीबी रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह को लेकर चर्चा होती थी। कहा जाता था कि बिहार में आरसीपी टैक्स चलता है। अंदरखाने में तबादले से लेकर कई काम के लिए आरसीपी टैक्स चुकाना पड़ता है। इस खबर में कितनी सच्चाई थी, ये तो आरोप लगाने वाले नेता समझते होंगे। ताजा मामला डीके टैक्स से जुड़ा है। इस टैक्स को लेकर नीतीश कुमार के एक करीबी अधिकारी पर सवाल खड़ा किया गया है। तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार आज भी देश के सबसे पिछड़े राज्यों में से एक है, जहां लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तेजस्वी ने बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बिहार मे प्रगति यात्रा कर रहे हैं। यह पूरी तरह पदाधिकारियों के लूट करने के लिए छूट देने की यात्रा है। यह प्रगति यात्रा नहीं है यह दुर्गति यात्रा है। सीएम नीतीश कुमार जनता से बात करने के लिए दो अरब पच्चीस करोड़ पचहत्तर रुपये चाहिए।

बिहार में अब खेला नहीं, मेला होगा : नीरज कुमार

मुजफ्फरपुर में आयोजित एनडीए की बैठक में भाजपा, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) समेत अन्य घटक दलों ने यह साफ कर दिया कि अब राज्य की राजनीति में 'खेला' नहीं, बल्कि 'मेला' होगा। बैठक में नेताओं ने इंडिया गठबंधन और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखे हमले किए। बैठक के दौरान जदयू के प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने जोर देकर कहा कि अब पार्टियां अपने-अपने नाम से नहीं, बल्कि गठबंधन के नाम से जानी जाएंगी। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को उन्नति और विकास का प्रतीक बताया। नीरज ने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनेगी। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास की गति और तेज होगी।

अभ्यर्थियों के साथ हुआ अन्यायः मनोज झा

पटना में तेजस्वी यादव के डीके टैक्स वाले बयान पर राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि आरसीपी टैक्स की बात तेजस्वी यादव ने की है। कहां है आजकल आरसीपी टैक्स वाले, आज उनकी बात कर रहे हैं। कल कहां होंगे यह पता नहीं। उन्होंने आगे कहा कि चुने हुए सरकार के बदले कोई सेवा निर्वित अधिकारी निर्णय ले, इसके निर्णय में एक निर्णय में यह भी मानता हूं। बीपीएससी में जो आपने अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया और सरकार मुख दर्शक बनकर खड़ी रही, वह सारी चीज जुड़ी हुई है। मनोज झा ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वही बात कहा है जो पूरे बिहार के लोग कर रहे हैं। बीजेपी नेता नितेश राणे का बयान जिसमें उन्होंने कहा है कि ईवीएम का मतलब एवरी वोट अगेंस्ट मुझ। इस सवाल के जवाब में मनोज झा ने कहा कि कायदे से आपका माइक नरेंद्र मोदी के पास पहुंचना चाहिए। कल ही भारत मंडपम में बोल रहे थे युद्ध नहीं बुद्ध चाहिए। नितेश राणे इस बात के प्रतीक है।

बिहार सरकार ने निजी जमीन पर शिविर लगाने से रोका : पीके

पटना। जन सुराज पार्टी ने दावा किया कि पटना जिला प्रशासन ने कथित तौर पर बिहार सरकार केआदेश पर उसे निजी भूमि पर शिविर लगाने से रोकदिया, क्योंकिसरकार पार्टी संस्थापकप्रशांत किशोर केविरोध से घबरा गई है। जिला प्रशासन ने आरोप से इनकार करते हुए दावा किया किउसने पार्टी को बिना सर्वेक्षण वाली सरकारी जमीन पर पांडाल लगाने से रोकदिया। सोशल मीडिया पर एकबयान मे पार्टी ने नीतीश कुमार सरकार पर कहा किबिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा मे कथित अनियमितताओ केविरोध मे किशोर केवर्तमान आमरण अनशन से राज्य सरकार घबरा गई है और प्रशासन ने उसे मरीन ड्राइव केपास निजी भूमि पर शिविर नही लगाने दिया।

पप्पू यादव के समर्थकों ने बंद के लिए किया यातायात बाधित

निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फपप्पू यादव केसमर्थको ने बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा हाल ही मे आयोजित संयुक्त प्रारंभिकपरीक्षा मे कथित अनियमितताओ केविरोध मे बिहार बंद केतहत राज्य भर मे यातायात बाधित किया और इस दौरान कई जगह वाहनो मे तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने 15 प्रदर्शनकारियो को हिरासत मे लिया है। लोकसभा मे पूर्णिया का प्रतिनिधित्व करने वाले यादव ने पटना मे विशेष प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जहां वह कफन पहने हुए एकखुले वाहन मे घूमे और दावा किया किआंदोलन उन सभी लोगो की मौत की कामना करता है, जो 1× दिसंबर को आयोजित बीपीएससी की 70वी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) मे गड़बड़ी मे शामिल थे।

साहित्यकार राजेश अरोरा शलभ पुणे में सम्मानित

» पुस्तक गीता-काव्यामृत भाग-2 का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) में जन्मे और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को अपनी कर्मस्थली बनाकर साहित्य ,संगीत और समाज सेवा के माध्यमों से देश व विदेशों में हिन्दी का परचम फहराने वाले सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेश अरोरा शलभ इन दिनों पुणे (महाराष्ट्र) में हैं। हाल में ही 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर पुणे के लोकप्रिय हिन्दी दैनिक आज का आनंद के आमंत्रण पर वह इस समाचार-पत्र के कार्यालय पहुंचे।

जहां उनके सम्मानोपरांत उनकी नवीनतम 21 वीं पुस्तक गीता-काव्यामृत भाग-2 (अध्याय 7-12) का विमोचन पुणे व मुंबई से प्रकाशित प्रतिष्ठित समाचार -पत्रों, आज का आनंद और मराठी दैनिक संध्यानंद, के प्रधान संपादक श्याम जी अग्रवाल व पिम्पले सौदागर, पुणे(महाराष्ट्र) की वरिष्ठ नागरिक परिषद् के संस्थापक एवं फूड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व महाप्रबंधक पी. एल. काले द्वारा भारी संख्या में उपस्थित मीडियाकर्मियों, बुद्धिजीवियों व गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष किया गया।

कुंभ मेले में एनजीटी के आदेशों का हो रहा खुला उल्लंघनः अमिताभ ठाकुर

पीएम और सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखकर अविलंब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा कुंभ मेले के संबंध में दिए गए निर्देशों का अनुपालन किए जाने की मांग की है। उन्होंने इस पत्र की प्रति प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी भेजी है।

अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कमलेश सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में अपने आदेश दिनांक 23 दिसंबर 2024 द्वारा इन दोनों बोर्ड को सप्ताह में कम से कम दो बार गंगा और यमुना के मुहाने पर सैंपल लेने तथा उसे अपने वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए थे। इस रिपोर्ट में एसटीपी और जिओ ट्यूब की स्थिति को भी प्रस्तुत किया जाना है। साथ ही इस संबंध में किए गए ऑनलाइन मॉनिटरिंग डाटा भी वेबसाइट पर प्रस्तुत किए जाने हैं। इससे पहले भी आजाद अधिकार सेना ने कई बार जन समस्याओं को लेकर अपनी आवाज उठाई है। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष व पूर्व आईपीएम अमिताभ ठाकुर ने योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री आशिष पटेल द्वारा नियुक्ति मामले में धांधली पर सीएम योगी पत्र लिखा था।

अमिताभ ठाकुर ने लगाया लोगों की जान से खिलवाड़ का आरोप

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी अब तक इन स्पष्ट निर्देशों का पालन नहीं हुआ है जो अत्यंत गंभीर है और कुंभ यात्रियों की सुरक्षा से सीधे खिलवाड़ है। अतः उन्होंने तत्काल ट्रिब्यूनल के आदेशों का अनुपालन किए जाने की मांग की है और कहा है कि यदि 14 जनवरी की शाम तक इन आदेशों का पालन नहीं होता है तो वे कुंभ यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत कुंभ में स्नान और डुबकी की कार्रवाई को रोकते हुए तत्काल ट्रिब्यूनल के आदेशों का अनुपालन कराए जाने हेतु सक्षम फोरम पर जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी तय करेगी रोहित-कोहली का भविष्य!

» बीसीसीआई ने की ऑस्ट्रेलिया दौरे की समीक्षा, दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली का भविष्य अब अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। रोहित और कोहली का प्रदर्शन हाल ही में संपन्न हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खराब रहा था जिसके बाद इन दोनों के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। कोहली ने पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया था, लेकिन रोहित एक भी मैच में प्रभावित नहीं कर सके थे।

रिपोर्ट के अनुसार, रोहित और कोहली के बिना आगे बढ़ने पर फिलहाल फैसला नहीं हुआ है, लेकिन अगर इन दोनों बल्लेबाजों का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में भी अच्छा नहीं रहा तो बीसीसीआई कड़े फैसले ले सकता है जिससे इन दोनों स्टार बल्लेबाजों के करियर का अनौपचारिक रूप से अंत हो सकता है। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की समीक्षा की है। इस बैठक में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और कोच गंभीर दोनों शामिल रहे। इस बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया मौजूद थे। इस बैठक में कोहली और रोहित के भविष्य पर चर्चा हुई। बैठक में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कमियों को लेकर चर्चा की। बैठक में टीम के प्रदर्शन पर विस्तृत चर्चा हुई और सभी चीजों को नोट किया गया है और चैंपियंस ट्रॉफी के बाद कदम उठाए जाएंगे।

भारतीय महिला टीम ने सीरीज पर किया कब्जा

राजकोट। भारत ने आयरलैंड को दूसरे वनडे में 116 रन से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। अब टीम इंडिया तीसरे और अंतिम मैच में मेहमानों का सूपड़ा साफ करना चाहेगी। यह मुकाबला बुधवार को राजकोट में ही खेला जाएगा। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67), हरलीन देओल (89) और जेमिमा रोड्रिग्स (102) की दमदार पारियों की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 370 रन बनाए। यह महिलाओं के वनडे में भारत का सर्वोच्च स्कोर है। महिलाओं के वनडे में यह ओवरऑल 15वां सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में आयरलैंड की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर सिर्फ 254 रन ही बना सकी।

फोटो: सुमित कुमार

आस्था की डुबकी

पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हो गया है। आज स्नान का पहला दिन है, इस अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अनुमान है कि आज सोमवार को 60 लाख से ज्यादा लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। कल यानि 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन और ज्यादा भक्तों के पहुंचने का अनुमान है। ये पवित्र स्नान 26 फरवरी तक चलेगी। इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

दिल्ली : तेजी में आया चुनाव प्रचार अभियान

» सीएम आतिशी ने किए कालकाजी मंदिर में दर्शन राहुल गांधी की भी रैली

» भाजपा ने आप पर किया जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा हो चुकी है। इसी के साथ दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक साथ पांच फरवरी को मतदान होंगे और आठ फरवरी को परिणाम सामने आएंगे। चुनावी माहौल के बीच दिल्ली में आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत अन्य सभी पार्टियां अपनी ताकत झोंक रही हैं।

मुख्यमंत्री आतिशी ने आज अपना नामांकन किया। इससे पहले उन्होंने कालकाजी मंदिर में मां का आशीर्वाद भी लिया। उधर कांग्रेस नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी दिल्ली में चुनावी प्रचार का आगाज किया। इन सबके बीच भाजपा व कांग्रेस का आप पर हमला जारी रहा।

भाजपा सारी झुग्गियां तोड़ देगी : मुख्यमंत्री आतिशी

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने नामांकन से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा अर्चना की और मां कालका का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने बीती शाम शाम को एलजी साहब ने बयान जारी किया कि अरविंद केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं, लेकिन दस्तावेज बिल्कुल साफ हैं। डीडीए की मीटिंग हुई, लैंड यूज बदला गया, तो ये बिल्कुल साफ है कि भाजपा का झूठ पकड़ा गया है। भाजपा नेता झुग्गियों में जाते हैं, वहां के लोगों के साथ खाना खाते हैं, बच्चों के साथ कैरम खेलते हैं और कुछ महीने बाद वो सारी झुग्गियां तोड़ देते हैं। भाजपा झुग्गी-झोपड़ी विरोधी पार्टी है, गरीब विरोधी पार्टी है और झुग्गियां तोड़ने के अलावा उन्होंने आज तक दिल्ली के झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए कोई काम नहीं किया।

गठबंधन के पास नीति व नीयत नहीं : शहजाद पूनावाला

दिल्ली भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, भारत-चीन गठबंधन परिस्थिति के आधार पर गठबंधन था। एमवीए अब महा विकास अघाड़ी बन गया है। आप और कांग्रेस ने दिल्ली में भी अपने रास्ते अलग कर लिए। बंगाल में भी टीएमसी और कांग्रेस साथ नहीं थे। उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को सीटें देने से इनकार कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान सपा, टीएमसी और सभी ने आप का समर्थन किया। इससे पता चलता है कि भारत-चीन गठबंधन सिर्फ फोटो के लिए साथ आया था, लेकिन उनके पास नेता, नीति या नीयत नहीं थी

तमिलों ने कई देशों के विकास में अहम योगदान दिया है: स्टालिन

» बोले- तमिल भाषा सभी को जोड़ने वाली नाभि-रज्जु है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नइ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि सदियों पहले राज्य से दुनिया के कई देशों में गए तमिलों ने उन देशों के विकास में काफी अहम योगदान दिया है। स्टालिन ने यहां विश्व तमिल प्रवासी दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि तमिल भाषा सभी को जोड़ने वाली नाभि-रज्जु है। उन्होंने कहा, यहां एकत्रित हुए अनेक लोगों के पूर्वज लगभग 100, 200 वर्ष पहले मातृभूमि (भारत-तमिलनाडु) छोड़कर चले गए होंगे। अपने अथक परिश्रम, पसीने और त्याग से उन्होंने उन देशों का विकास किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल उन्हीं के कारण रेगिस्तान हरे-भरे हो गए, बंजर जमीन पर काली सड़कें बन गईं, अनेक बंदरगाहों का निर्माण हुआ और मजदूरों ने खड़ तथा गन्ने के बागानों में काम किया और परिणामस्वरूप दुनिया के वे देश समृद्ध हुए। स्टालिन ने आश्वासन दिया कि तमिलनाडु उन तमिल लोगों की आने वाली पीढ़ियों को गले लगाने के लिए तैयार है, जो बहुत पहले पलायन कर गए थे और उन्होंने प्रवासी समुदाय के लिए विभिन्न कल्याणकारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से वेरगालाई थेडी (जड़ों की खोज में) नामक पहल पर प्रकाश डाला। यह पहल प्रवासी सदस्यों को राज्य में अपने पूर्वजों के स्थानों और अपने रिश्तेदारों से जुड़ने में मदद करती है। दुनिया के विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित प्रवासी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

जाति जनगणना रिपोर्ट कैबिनेट की अगली बैठक में पेश करेंगे : सिद्धारमैया

विजयनगर (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिया कि जाति जनगणना रिपोर्ट को अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। सिद्धरमैया ने बताया, हमें पिछले साल रिपोर्ट मिली थी। रिपोर्ट को कैबिनेट के सामने रखा जाना है। इस पर हमने 160 करोड़ रुपए खर्च किए है। देखते है कैबिनेट में इस पर क्या चर्चा और फैसला होता है। जाति जनगणना का विरोध करने वाले लोगों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, जाति जनगणना और आरक्षण का या तो समर्थन होगा या विरोध होगा। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने 29 फरवरी, 2024 को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी।

प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भड़के अन्नदाता

» किसानों के अनशन के 49 दिन, डल्लेवाल की हालत नाजुक

» खनौरी पर एक और किसान की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खनौरी मोर्चे पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का 49वां दिन है। दिनोंदिन उनकी हालत खराब होती जा रही है। उधर किसान पीएम मोदी की चुप्पी पर भी भड़के हैं। वहीं डॉक्टरों ने कहा है कि डल्लेवाल की हड्डियां (विशेषकर आंख के साइड) सिकुड़नी शुरू हो गई हैं जो बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा उनके बीपी, शूगर व अन्य टेस्ट भी सामान्य नहीं हैं। डॉक्टरों की एक टीम 24 घंटे उनकी तबीयत पर निगरानी रख रही है।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और एसकेएम (गैर-राजनीतिक) एवं किसान मजदूर मोर्चा की ओर से आपसी तालमेल के लिए मीटिंग होगी। पहले यह बैठक 15 जनवरी को पटियाला में होनी तय हुई थी। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ के मुताबिक दोनों मोर्चों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पातडां में बैठक में शामिल होगा।

किसानों ने कहा कि डल्लेवाल पूरे देश के किसानों के नेता हैं और सभी किसान उनके लिए जिंदगी कुर्बान करने के लिए तैयार हैं। सोमवार को सोनीपत से किसानों का जत्था खन्नौरी किसान मोर्चे पर आएगा।

जग्गा सिंह की हुई मौत

फरीदकोट जिले के गोदारा गांव के 80 साल के किसान जग्गा सिंह की बीते रविवार को खनौरी बॉर्डर पर अचानक तबीयत खराब हो गई थी। उन्हें इलाज के लिए पटियाला के राजिंद्रा अस्पताल ले जाया गया था। रविवार दोपहर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

डल्लेवाल ने संतों-महापुरुषों व धर्मगुरुओं को लिखी चिट्ठी

दोनों मोर्चों ने डल्लेवाल द्वारा हस्ताक्षरित चिट्ठी संत-महापुरुषों एवं धर्मगुरुओं को लिखी है। इसमें लिखा गया है कि विभिन्न सरकारों द्वारा अलग-अलग समय पर किसानों से किए गए वादों को पूरा कराने के लिए डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं। पिछले 11 महीनों से हजारों किसान सड़कों पर बैठे हैं। आंदोलन में पुलिस की कार्रवाई में 1 किसान की गोली लगने से शहादत हुई, 5 किसानों की आंखों की रोशनी चली गई एवं 434 किसान घायल हो गए। प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति एवं सुप्रीम कोर्ट के जजों को चिट्ठी लिख चुके हैं लेकिन किसी ने भी किसानों की चिट्ठी पर न तो कोई गौर किया और न ही उसका जवाब दिया।

बारिश ने बढ़ा दी प्रदेश में ठंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बारिश और सर्दी के बीच सोमवार को घना कोहरा पड़ सकता है। मौसम विभाग ने कोहरे के साथ तापमान के गिरने का अलर्ट जारी किया है। कड़ाके की ठंड के बीच रविवार को प्रदेश के लगभग सभी जिलों में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

कानपुर 5.4 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अब कोहरे का प्रकोप बढ़ेगा। वहीं, रविवार को महोबा में ठंड की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। रविवार को प्रयागराज में सर्वाधिक 4.8 मिमी बारिश हुई। वाराणसी, सुल्तानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, बस्ती, बिजनौर, आगरा, कानपुर, मथुरा और बुंदेलखंड के जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।